कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग,
मध्य प्रदेश भोपाल

परिपत्र कमांक–10 दिनांक 18 मई, 2001

मुख्य अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, इन्दौर परिक्षेत्र, इन्दौर एवं उनके परिक्षेत्र के कार्यपालन यंत्रियों द्वारा बताया गया कि इस ग्रीष्म काल में मालवा अंचल के हैण्डपम्पों का जल स्तर तेजी से नीचे उतर रहा है और लगभग 200 फिट से भी अधिक नीचे चला गया है । अतः इन नलकूपों से ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सिंगल फेज़ अल्प क्षमता वाले उच्च शीर्ष के सम्बर्सिबल पम्प लगाना ही उनके समक्ष एक विकल्प रह गया है । इस संबंध में जिलाध्यक्षों को भी संबंधित जिले के कार्यपालन यंत्री द्वारा अवगत कराया जा चुका है एवं मुख्य अभियन्ता, इन्दौर परिक्षेत्र, इन्दौर ने इस कार्यालय को सिंगल फेज़ सम्बर्सिबल पंप की आवश्यकता बाबत् सूचना देते हुये मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम के माध्यम से उपलब्ध कराने बाबत् अनुमति चाही गई है ।

समस्त कार्यपालन यंत्रियों को निर्देशित किया जाता है कि यदि सिंगल फेज़ सम्बर्सिबल पम्प लगाने से ग्रामीण क्षेत्र में उचित मात्रा में ग्रामीण जनता को हैण्डपम्प के स्थान पर सम्बर्सिबल पम्प से पेयजल उपलब्ध कराया जाता है तो संबंधित ग्राम पंचायत से इस व्यवस्था के रख–रखाव एवं संचालन हेतु आवश्यक रूप से सहमति पत्र प्राप्त क़िया जाय । यदि संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा संचालन एवं संधारण उचित रूप से नहीं किया जाता है तो ग्रीष्म काल के पश्चात् पूर्व में लगाये गये सिंगल फेज़ सम्बर्सिबल पम्प वापस निकालकर भण्डार में जमा करें एवं उनके स्थान पर हैण्डपम्प लगा दिये जावे ।

उपरोक्त प्रकार के नलकूपों पर पाइंट रिचार्ज की भी व्यवस्था तत्काल की जावे क्योंकि पॉवर पम्प लगने से भू–जल स्तर और भी नीचे चला जावेगा । अतः रिचार्ज के अभाव में यह योजना ठप्प हो जावेगी ।

प्रमुख अभियन्ता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग,
मध्य प्रदेश भोपाल

पृष्ठ कमांक/ 189 /स्टेनो/प्र0अ0/लो0स्वा0यॉ0वि0/2001 भोपाल, दिनांक 18 मई, 2001

प्रतिलिपि :

1. समस्त मुख्य अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मध्य प्रदेश ।
2. समस्त अधीक्षण यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मध्य प्रदेश ।
3. समस्त कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मध्य प्रदेश ।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित करते हुये उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन करने हेतु अग्रेषित ।